भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 2761
गुरुवार, 8 अगस्त, 2024/17 श्रावण, 1946 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

विमानपत्तनों पर यात्रियों का शोषण

2761. श्री एम. के. राघवन:
श्री गुरजीत सिंह औजला:

क्या **नागर विमानन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को छुट्टियों और त्योहारों के दौरान एनआरआई के शोषण के लिए एयरलाइंस की रणनीतियों के बारे में पता है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) सरकार द्वारा इस संबंध में उठाए गए उपचारात्मक उपायों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार के संज्ञान में यह आया है कि अंतरराष्ट्रीय विमानपत्तनों पर एयरलाइन कर्मचारियों द्वारा विदेश यात्रा करने वाले यात्रियों का शोषण और उन्हें परेशान किया जा रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार ने विमानपत्तनों पर ऐसे भ्रष्ट आचरण की कोई जांच कराई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार ने इस संबंध में ऐसे कर्मचारियों के विरूद्ध कार्रवाई की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) और (ख): हवाई किराए बाजार द्वारा संचालित होते हैं और वायुयान नियमावली, 1937 के नियम 135(1) के प्रावधानों के तहत, एयरलाइनें प्रचालन की लागत, सेवाओं की विशिष्टताओं, आम तौर पर प्रचलित टैरिफ आदि सहित सभी प्रासंगिक कारकों को ध्यान में रखते हुए, टैरिफ निर्धारित करने के लिए स्वतंत्र हैं। एयरलाइन किराया प्रणाली कई स्तरों (बकेट या आरक्षण बुकिंग डेसिग्नेटर्स) पर कार्य करता है, जो वैश्विक स्तर पर अपनाई जा रही पद्धति के अनुरूप है। एयरलाइनों द्वारा बाजार, मांग, मौसम, प्रचलित अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य और अन्य बाजार शक्तियों को ध्यान में रखते हुए किराया निर्धारित किया जाता है। सीटों की मांग बढ़ने के साथ ही विमान किराया भी बढ़ जाता है, क्योंकि कम किराए वाली सीटें शीघ्र बिक जाती हैं और किराया अधिक हो जाता है। डीजीसीए की टैरिफ मॉनिटरिंग यूनिट (टीएमयू) यह सुनिश्चित करती है कि एयरलाइनों द्वारा वसूला जा रहा किराया एयरलाइनों द्वारा निर्धारित टैरिफ के अनुसार हो।

(ग): डीजीसीए/नागर विमानन मंत्रालय को एयरलाइन कर्मचारियों द्वारा विदेश यात्रा करने वाले यात्रियों के शोषण की ऐसी कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।

(घ) और (ङ): प्रश्न नहीं उठता है।

******